



# जुलाई 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

“प्रिय अन्तर्वासना पाठको, जुलाई 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं... ..”

Story By: guruji (guruji)

Posted: Wednesday, August 21st, 2019

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [जुलाई 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ](#)

# जुलाई 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको

जुलाई 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं...

## कॉलेज टीचर को दिखाया जवानी का जलवा

मैं जैस्मिन आज मैं आप सभी के साथ अपनी प्यासी जवानी की सच्ची कहानी साझा करने जा रही हूँ. मैं रायपुर की रहने वाली हूँ. मेरी उम्र 22 साल है, मेरा रंग इतना अधिक गोरा है मानो दूध में एक चुटकी सिंदूर मिला दिया गया हो. मेरे इस रंग रूप को कोई भी मुझे पहली नजर में देखकर चोदने के लिए बेचैन हो उठे. मेरी फिगर साइज 32-30-32 की है. मेरे बूब्स उभरे हुए और काफी सुडौल हैं.

दोस्तो, आज मैं आप सबके साथ अपनी कॉलेज की उस वक्त की कहानी साझा कर रही हूँ, जब मैं कॉलेज में अपनी ग्रेजुएशन के फर्स्ट ईयर में थी. कॉलेज लाइफ के बारे में बड़ा रोमांच था और चढ़ती जवानी मुझे कुछ बहकाने में लगी थी.

उन दिनों मुझे गणित के सर बहुत अच्छे लगते थे. यूँ समझिए कि मैं उनके ऊपर पूरी फ़िदा थी. लेकिन एक टीचर और स्टूडेंट की तरह आगे बढ़ने का मैंने सोचा नहीं था.

मेरी एक सहेली रीमा भी थी, वो भी सर को लाइन मारने में कमी नहीं करती थी. सर पढ़ाने के मामले में बहुत स्ट्रिक्ट थे. मैं उनका बताया हुआ सब काम करती थी, उनकी सब बात भी मानती थी.

मुझे खुद से ऐसा लगता था कि मेरा गणित का विषय कमजोर है और मुझे इस विषय में नंबर भी कम आते हैं. इसलिए मैं पूरी शिद्दत से सर की तरफ अपना ध्यान देती थी. उनसे बार बार अपनी बात को कहना और उनसे सवाल आदि हल करने के लिए उठना. इससे मेरे दोनों काम हल हो जाते थे. एक तो सर से मुझे करीब से बात करने का मौका मिल जाता था और दूसरे मेरी गणित भी ठीक होने लगी थी. मैं उन सर के आगे पीछे घूमने लगी थी.

मेरे इस रवैये से क्लास की बाकी लड़कियों को बड़ी दिक्कत थी. उनको ये बिल्कुल पसन्द नहीं था. लेकिन इससे मुझे कोई खास फर्क नहीं पड़ता था. मुझे तो बस कॉलेज के एग्जाम अच्छे से देना था और अच्छे नंबर लाना था.

इस वजह से मैंने सर से भी कोचिंग की भी बात की, लेकिन सर मना करने लगे. सर बोले- मैं कोचिंग नहीं पढ़ाता हूँ.

परन्तु मेरे जिद करने पर सर ने हां बोल दी. मैं दूसरे दिन कॉलेज से शाम को कोचिंग के लिए सर के घर गयी. सर के घर से मेरा घर पास में ही था, तो मुझे कोई दिक्कत नहीं हुई.

मैं पहले दिन जैसे ही सर के घर गयी, वो अकेले रहते थे, तो मेरा ही इंतज़ार कर रहे थे. मैं जैसे ही अन्दर गयी, उस वक्त मैं हाफ जींस और टॉप पहने हुई थी.

सर मुझे इस रूप में देख कर भौंचक्के रह गए. वो मुझे घूरे जा रहे थे. सर की आंखें इस वक्त बड़ी कामुक लग रही थीं. मेरे बूक्स टॉप के ऊपर से ही झलक

रहे थे.

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये ...

## मम्मीजी आने वाली हैं

आपने मेरी पिछली कहानी खामोशी : द साईलैन्ट लव में मेरे और मोनी के सम्बन्धों के बारे में पढ़ा। मोनी के साथ कुछ दिन रहने के बाद मैं वापस अपने घर आ गया था और कुछ दिन बाद ही मुझे पता चल गया कि मोनी पेट से है जिसे सुनकर मुझे भी काफी खुशी हुई।

खैर मोनी के पास से आने के बाद मेरे दिन अब ऐसे ही निकल रहे थे कि एक दिन कुछ ऐसा हो गया कि मेरे लिये एक नयी ही चुत का इंतजाम हो गया। मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा था कि ऊपर वाला मेरे लिये इतनी जल्दी एक नयी चुत का स्वाद चखने इंतजाम कर देगा।

सही में नयी नयी चुत का स्वाद चखने के मामले में तो कभी कभी मैं अपने आप को बहुत ही भाग्यशाली समझता हूँ, क्योंकि अभी कुछ दिन ही तो हुए थे जब मुझे मोनी की नयी और इतनी कसी हुई चुत का स्वाद चखने को मिला था और अब ये ...

चलो अब ज्यादा समय ना लेते हुए मैं सीधा कहानी पर आता हूँ, मगर कहानी शुरू करने से पहले मैं अपनी हर एक कहानी की तरह ही इस बार भी वही दोहरा रहा हूँ कि मेरी सभी कहानियां काल्पनिक हैं जिनका किसी के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है अगर होता भी है तो मात्र ये एक संयोग ही होगा।

जैसा आपने मेरी पिछली कहानी में पढ़ा कि मेरा पैर टूट जाने की वजह से मैं किसी भी कोलेज में दाखिला नहीं ले सका था इसलिये मैं अब ऐसे ही घर में पड़ा रहता था। वैसे तो मैं कुछ करता नहीं था मगर हां, मैं अब भी अपनी भाभी की घर के काम हाथ जरूर बंटता देता था जिससे मेरी भाभी भी खुश होकर कभी कभी मुझे अपनी जवानी का रस पिला देती थी।

मेरे दिन अब ऐसे ही गुजर रहे थे कि एक दिन शाम के समय मैं अपनी भाभी के कहने पर हमारी छत से सूखे हुए कपड़े लेने चला गया। वैसे जब से मैं पंकी के साथ पकड़ा गया था तब से हमारी छत पर जाता नहीं था, मगर उस दिन मेरी भाभी किसी दूसरे काम में व्यस्त थी इसलिये उन्होंने छत से कपड़े लेने के लिये मुझसे बोल दिया।

मैं हमारी छत पर सूखे हुए कपड़े तार पर से उतार ही रहा था कि तभी पंकी की भाभी भी छत पर आ गयी। वो भी छत पर से कपड़े ही लेने आई थी मगर उसने मुझे देखते ही पूछा- क्या बात है जब से पंकी गयी है तब से छत पर तो दिखाई ही नहीं देते ?

उसने तार पर से कपड़े उतारते हुए कहा।

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये ...

## मेरी पत्नी ने चुत से कर्ज चुकाया

मेरा नाम विक्रम है, जयपुर में रहता हूँ. मेरा कद 5 फुट 11 इंच, उम्र 31 वर्ष है। पर यह कहानी मेरी पत्नी रीना की है जिसकी उम्र 27 वर्ष, रंग सांवला,

बूक्स साइज 34B, कद 5 फुट 2 इंच, एकदम दुबला छरहरा कामुक शरीर ...  
मेरी बीवी रीना को जो कोई एक बार भी देख लें वो गच्चा खा जाये कि यह  
लड़की शादीशुदा भी हो सकती है क्या !

सीधा कहानी पे आता हूँ। बात करीबी एक वर्ष पुरानी है. मेरे कंप्यूटर बिज़नेस  
में बहुत घाटा हो चला था, मेरे ऊपर दो लाख रुपये का कर्ज चढ़ गया था।  
मासिक किस्त भी भर पाना मुश्किल हो गया था।  
तभी रीना ने मुझे सुझाव दिया कि वो अगर कहीं कुछ महीने नौकरी कर लेगी  
तो मुझे मदद मिल जाएगी.  
मैंने काफी देर सोच कर उसे हाँ कह दिया।

अब रीना ने एक प्रमुख ऑनलाइन रोजगार साइट पे आवेदन शुरू कर दिए।  
तभी एक सप्ताह बाद रीना मुझे बताया कि एक प्रमुख प्राइवेट कंपनी ने उसे  
इंटरव्यू के लिए बुलाया है।  
मैंने खुश होते हुए कहा- यह तो बहुत अच्छी बात है.  
पर रीना ने उदास होते हुए कहा- पर पोस्टिंग गुरुग्राम में है।

मैंने काफी देर मौन रहते उसे पूछा- सैलरी कितनी दे रहे हैं ?  
रीना बोली- 30,000 रुपये मासिक।  
मैंने उसका उत्साह बढ़ाते हुए कहा- ठीक है, कर लो इंटरव्यू।

रीना गुरुग्राम चली गयी और नसीब का खेल देखो उसको जॉब भी मिल गयी।  
देखते देखते एक महीना बीत गया, हम लोग रोज़ाना मोबाइल चैट से संपर्क में  
थे।

अचानक मेरे दिल को धक्का लगा जब रीना मेरे कॉल को कट करने लगी।

पूछने पे बोलती थी 'ऑफिस का काम रहता है। बॉस फ़ोन करते रहते हैं।' अब मुझे अपनी हालत पर गुस्सा बहुत आ रहा था।

इस तरह 3 महीने निकल गए। किशतें चुकने लगी।

एक दिन मैं शाम को चाय दूकान पे बैठा था, तभी मैंने देखा सामने से रीना चली आ रही और उसके हाथ में बड़ा बैग है।

पिछले 1 हफ्ते से बात नहीं हुई थी और उसका अचानक से दिखना मुझको छलावा लगा।

पर वो तुरंत मेरे पास आयी और बोली- बहुत भारी है बैग ... उठा लीजिये। तभी मुझको यकीन हो चला 'हाँ ये रीना ही है।'।

मेरे मन में जैसे बारिश होने लगी और मोर नृत्य करने लगे बड़े उत्साह के साथ मैंने उसका बैग लिए और हम घर को चल दिए।

रात को खाना हमने बाहर से मंगवा लिया, फिर हम सोने की तैयारी करने लगे। मुझे लगा कि रीना खूब बात करेगी जैसा उसका स्वभाव है चुलबुला ... पर वो शाम से बिलकुल चुप थी।

मुझे लगा थकी होगी तो कुछ बोलना उचित न समझा और हम सो गए।

सुबह रोज की तरह मैं अपनी शॉप पे गया। तभी शाम को चार बजे मुझे बैंक से एक मेसेज मिला कि मेरा पूरा दो लाख क़र्ज़ चुकती हो गया है।

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये ...

## मैंने अपने आप को उसे सौंप दिया

मेरी शादी को 5 साल हो गए हैं. मेरी शादी मेरे मम्मी पापा ने 12वीं के बाद ही कर दी थी इसलिए मेरी उम्र ज्यादा नहीं है, सिर्फ 25 साल है. मेरा फिगर देखकर सब मुझे घूरते हैं. यह बात मुझे हमेशा महसूस होती है पर अंदर अच्छा भी लगता है.

औरत अगर खूबसूरत हो और उसको कोई ना देखे ... तो उसके खूबसूरत होने का क्या फायदा ?

सब कुछ अच्छा चल रहा था. पर मैं थोड़ा बोर होने लगी थी रोज रोज एक सा जीवन बिताते हुए ... सुबह सुबह ऑफिस जाते हुए हस्बैंड को खाना देना और फिर वही अपने छोटे बेबी के साथ पूरा दिन टाइम पास करना ... यह भी सालों तक चला. बस मुझे कुछ अलग करना था इसलिए मैं हमेशा फोन में व्हाट्सएप ईमेल और अपनी सहेलियों के साथ बात करती रहती थी. कुछ समय व्यतीत हो जाता था.

फिर एक दिन मैंने अपनी फ्रेंड से अंतर्वासना के बारे में सुना. मैंने इस साइट को पढ़ना शुरू किया. जैसे मैं इसे पढ़ती थी, मेरा चेहरा लाल हो जाता था इस पर ऐसी का कामुकता वाली कहानियां मेरे रोंगटे खड़े कर देती थी. ज्यादातर कहानियों के नीचे कमेंट भी होते थे, मैं लोगों के कमेंट पढ़ती थी, सच में बहुत मजा आता था, कुछ नया मिलता था.

अब मुझे थोड़ा अच्छा लगने लगा था.

एक दिन मैंने उन कमेंट्स पर एक व्यक्ति को कमेंट किया. उसका कमेंट मुझे

सबसे अच्छा लगा था इसलिए मैंने उसे रिप्लाइ किया. वह चैट तो मैं आप लोगों को नहीं बता सकती क्योंकि वह बहुत अजीब थी. पर हमारी धीरे धीरे बातें होने लगी, वह मुझसे काफी अच्छी और सेक्सी बातें करता था.

हसबैंड के ऑफिस जाने के बाद मुझे उसका साथ अच्छा लगता था. बेशक फोन पर ही सही पर मैं हमेशा उसके साथ टाइम व्यतीत करना चाहती थी. धीरे-धीरे हम आगे बढ़ने लगे. वह मुझसे कहता था- भाभी, आप कोई भी जरूरत हो मैं हमेशा आपके लिए तैयार हूं.

मुझे उसका यह कहना बहुत अच्छा लगता था.

हमारा ईमेल का सिलसिला सिर्फ कुछ ही दिनों में बहुत आगे तक चला गया. अगर मुझे कुछ भी खाने का ऑर्डर करना होता तो मैं उसे बता दिया करती और वह मेरे खाने का पेटीएम कर दिया करता. मानो मुझे ऐसे लगने लगा कि वह मेरी हर जरूरत पूरी कर सकता है.

उसका नाम मनोज है. धीरे धीरे मैं उसे मनु कहकर बुलाने लगी. हम कभी हंसते कभी सेक्सी सी बातें करते.

बस बहुत दिनों से यही चल रहा था.

एक दिन मुझे अचानक कुछ पैसों की जरूरत आ गई. ज्यादा नहीं सिर्फ ₹5000 की ... मैंने उससे कहा.

उसने मुझसे कहा- भाभी मैं हमेशा आपके लिए रेडी हूं.

उसका भाभी कहना मुझे ऐसा लगता था मानो मेरा कोई छोटा देवर हो.

क्योंकि घर में और कोई फैमिली नहीं थी इसलिए मुझे अच्छा लगता था.

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये ...

## एक दिन की ड्राइवर बनी और सवारी से चुदी

सुबह दस बजे का वक्त था, सड़क पर बहुत ट्रैफिक थी। मैं बड़ी मुश्किल से ट्रैफिक में गाड़ी चला रही थी, कार के डैश बोर्ड पर लगे मोबाइल की तरफ देखा तो जिस सवारी को मुझे रिसीव करना है वह अभी दो सौ मीटर की दूरी पर दिख रही थी, पर ट्रैफिक के वजह से वह फासला भी दो किलोमीटर की तरह लग रहा था।

मेरा नाम नीतू है, मैंने अभी अभी अपनी कॉलेज की फर्स्ट ईयर की एग्जाम खत्म की थी। एक महीने की छुट्टी पर मैं घर आई हुई थी। मेरे पापा का ट्रांसपोर्ट का बिजनेस है, बहुत सारे ट्रक हैं और बहुत सारी कार भी हैं जो ऑनलाइन ऐप कंपनी के लिए काम करती हैं।

जब मैं घर पर आई तो पहले दो चार दिन अच्छे से गुजरे ... पर उसके बाद मुझे बहुत बोर लगने लगा। मेरे सारे फ्रेंड्स को पता नहीं क्या हो गया था, सभी छुट्टियों में पार्ट टाइम जॉब करने लगे थे।

मैंने भी अपने पापा को पार्ट टाइम जॉब करने के बारे में पूछा तो उन्होंने साफ साफ मना कर दिया- इतना सब तो है हमारे पास, तुम्हें काम करने की क्या जरूरत ? और वैसे भी सब काम उल्टे कर देती हो, तुमसे कोई काम ठीक से नहीं होगा.

मुझे बहुत बुरा लगा और बहुत गुस्सा भी आया, पर उनकी बात भी सही थी। मैं पहले से ही बड़े लाइ प्यार में पली बड़ी थी, घर में भी कुछ काम करने की जरूरत नहीं पड़ी और जब भी कुछ काम करने जाती तो वो गलत हो जाता।

उसके बाद दो दिन तक मैं घर में बैठ कर टीवी देखती और सोती रही।

अगले दिन पापा सुबह हॉल में बैठ कर सभी गाड़ियों पर ड्राइवर कौन कौन होगा यह तय कर रहे थे. तब उन्हें पता चला कि एक कार के लिए ड्राइवर कम पड़ रहा था।

पापा ने पूछताछ की तो उस ड्राइवर की तबियत अचानक खराब हो गई थी इसलिए वह नहीं आ सकता था।

मैं वैसे भी बोर हो रही थी तो मैंने सोचा क्यों ना मैं आज ड्राइवर बन जाऊँ, वैसे तो मैं स्कूल के टाइम से कार चला सकती थी और पिछले महीने में ही 18 साल पूरे किए थे और मेरा ड्राइविंग लाइसेंस भी बन गया था।

“पापा, आज मैं उस कार पर ड्राइवर बन जाऊँ, प्लीज प्लीज प्लीज ... मना मत करना !”

“माना कि तुम्हें ड्राइविंग आती है पर तुम्हें रास्ते मालूम नहीं है, कुछ गलत हो गया तो। वैसे भी धंधे में कॉम्पिटिशन ज्यादा हो गया है, कुछ गलत रेटिंग मिल गयी तो हमारी कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट खतरे में पड़ जायेगा.” पापा मुझे समझाते हुए बोले।

“कुछ नहीं होगा पापा ... मैं कुछ गड़बड़ नहीं करूंगी ... प्लीज ... प्लीज ... मैं घर में बैठे बैठे बोर हो रही हूँ.”

मैं ज़िद पकड़ कर बैठी थी कि मुझे काम पर जाना है।

पूरी कहानी यहाँ पढ़ कर मजा लीजिये ...

## Other stories you may be interested in

### गांड चुदाई से ठंड मिटाई

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम आर्यन है. मेरी उम्र 24 वर्ष है, कद 5 फुट 10 इंच का है और रंग सांवला है. मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. फिलहाल मैं दिल्ली में ही एक प्राइवेट कम्पनी में जॉब कर रहा [...]

[Full Story >>>](#)

### तीन पत्ती गुलाब-29

दोस्तो ! मुझे लगता है मैं कोई पिछले जन्म की अभिशप्त आत्मा हूँ। पता नहीं मैं अभी तक अपनी सिमरन को क्यों नहीं भूल पा रहा हूँ ? सच कहूँ तो मिक्की, पलक, अंगूर, निशा, सलोनी और अब गौरी, मीठी या सुहाना [...]

[Full Story >>>](#)

### दो बहनों के साथ थ्रीसम चोदन-3

नमस्कार दोस्तो, मैं राकेश अपनी कहानी दो बहनों के साथ थ्रीसम का अगला भाग ले कर हाजिर हूँ. जैसे कि आपने पिछले भाग में पढ़ा कि मैं और वन्दना चुदाई करके एक दूसरे की बांहों में लेटे हुए थ्रीसम करने [...]

[Full Story >>>](#)

### शहर में जिस्म की आग बुझाई- 4

मेरे जिस्म की आग मेरे पति के बाँस ने मेरी जोरदार चुदाई करके ठंडी कर दी. लेकिन उसका मन मेरी चूत से नहीं भरा था. उसने मेरी गांड की चुदाई भी की. इसके अलावा ... दोस्तो, मैं फिर से आपके [...]

[Full Story >>>](#)

### दो बहनों के साथ थ्रीसम चोदन-2

तब तक वंदना भी चेंज कर के बाथरूम से आ गयी. उसने बहुत ही छोटी स्कर्ट पहनी थी जो उसकी चूत से थोड़ी नीचे थी और एक टीशर्ट पहनी थी जो सिर्फ उसके मोम्मो को कवर कर रही थी. यानि [...]

[Full Story >>>](#)

